ओह जांदा मेरा जोगी

गल किती बहुत कवलि नी,
मैं रो रो हो गई झली नी,
भलियां लोक मैं देवा होका
जी कोई गल समजावे,

ओह जांदा मेरा जोगी नी
कोई मोड़ लिआवे,
बनखंडी दा कोना
कोना पाई मैं तोहला,

गल विच केस खिलारे
जोगी जोगी बोला,
आजा मेरे जोगियां
तेरी याद सतावे,

ओह जांदा मेरा जोगी
नी कोई मोड़ लिआवे,
पुत्र जिह्ना दे तुर गए
पिछो बिल्कन मावा,

मरदे दम तक पुत्रा
दियां तकन रावा,

पुत्र बिन एह वेह्डा
मेनू वड वड खावे,

ओह जांदा मेरा जोगी
नी कोई मोड़ लिआवे,
भुड़ी उमरे आके हो
गया ऐसा लोहडा,

लाल मेरे दा लोको
वे पे गया विछोडा,
ओहदे बिन मेरे ज़िन्दगी
नु धीर न आवे,

ओह जांदा मेरा जोगी
नी कोई मोड़ लिआवे,
लोक आखे लगके
गलती किती भारी,

लासी आते रोटियां दी
बोली लाल नु मारी,
माँ रत्नों दी कोई

वे हूँ पेश ना जावे,
ओह जांदा मेरा जोगी
नी कोई मोड़ लिआवे,

Source:
https://www.bharattemples.com/oh-janda-mera-jogi-nhi-koi-mod-liawo-gl-kiti-bahut-kawali-ni/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw